सार्वजनिक स्थलों पर बढ़े तंबाकू के खतरे

- वीएचए के अध्ययन में हुआ खुलासा
- 16 शहरों सहित इंदौर में की जाँच
- धूम्रपान निषेध कानून का नहीं पालन

इंदौर। धूम्रपान न करने वाले यदि सोचते हैं कि इसके कुप्रभावों से आखिर हमारे स्वास्थ्य पर क्या खतरा, तो अब वे अपनी यह खुशफहमी दूर कर लें। सिगरेट या बीड़ी का धुआँ केवल इसे पीने वाले को ही अपना शिकार नहीं बनाता बल्कि तंबाकू में मौजूद हानिकारक कण सार्वजनिक स्थलों को प्रदूषित कर रहे हैं।

मप्र वॉलेंट्री हेल्थ एसोसिएशन इंदौर और वॉलेंट्री हेल्थ एसोसिएशन ऑफ इंडिया नई दिल्ली द्वारा देश के कई शहरों समेत इंदौर-भोपाल में भी किया गया एक अध्ययन खुलासा करता है कि सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान से उपजे प्रदूषण का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के तय मानक से 40 गुना ज्यादा है।

सरकार ने धूम्रपान निषेध के ढेरों कानून तो लागू कर दिए पर इसके पालन को सुनिश्चित करने कोई ठोस कदम नहीं उठाए। प्रेस क्लब में रविवार को एसोसिएशन पदाधिकारियों ने अध्ययन के आँकड़े बताए। वीएचएआई नई दिल्ली के निदेशक डॉ.पीसी भटनागर ने बताया कि वायु गुणवत्ता की जाँच के लिए प्रदेश के इंदौर और भोपाल के होटल, रेस्त्राँ और बार में सितंबर 2009 में अध्ययन किया गया। ऐसी 12 सार्वजनिक जगहों पर एक मशीन द्वारा सिगरेट के धुएँ से निकलने वाले पार्टिकुलेट मेटर (पीएम) 2.5 को मापा गया। पीएम 2.5 की मात्रा सामान्य स्थलों की तुलना में छः गुना अधिक थी। आँकड़ों के अनुसार यहाँ धूम्रपान की वजह से प्रदूषण का स्तर तय मानकों से 40 गुना अधिक था। वहीं इन सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान संबंधी कानूनों का भी पालन होते नहीं दिखा।

श्री भटनागर ने बताया कि कानूनन इन जगहों पर धूम्रपान के लिए अलग से कक्ष बनाए जाने चाहिए और निषेध संबंधी बोर्ड भी लगाए जाने चाहिए। एमपीवीएचए के मुकेश कुमार सिन्हा ने कहा कि भारतीय नियंत्रण कानून की धारा 4 के अनुसार 30 से अधिक सीटों वाले रेस्त्राँ और होटलों में स्मोकिंग रूम होना जरूरी है और उसका धुआँ बाहर नहीं निकलना चाहिए। डॉ. शालिनी कपूर ने एसोसिएशन द्वारा तंबाकू नियंत्रण के प्रयासों के बारे में बताया। प्रो. निलोसे और कार्यक्रम अधिकारी बकुल शर्मा ने भी धूम्रपान निषेध संबंधी जानकारी दी। -नगर प्रतिनिधि

इस तरह की जाँच

अध्ययन 12 राज्यों के 16 शहरों में किया गया। वायु की गुणवत्ता को साइड पेक पर्सनल एटोसोल मॉनिटर मशीन द्वारा मापकर होटल, बार और रेस्त्राँ में 2.5 माइक्रोन के कणों का स्तर देखा गया। ये कण तंबाकू के धुएँ से निकलते हैं। विश्लेषण अमेरिका के रोजवेल पार्क कैंसर संस्थान ने किया।

अध्ययन के कुछ अहम तथ्य

धूम्रपान कर रहे लोगों वाली सात जगहों में महीन कणयुक्त वायु प्रदूषण का औसत स्तर धूम्रपान मुक्त स्थलों की अपेक्षा 6 गुना था। सात स्थलों में से छः पर गैर धूम्रपान क्षेत्र वाला बोर्ड नहीं था। इन सारी जगहों पर एशट्रे मौजूद थी और 3 स्थानों पर तो विधिवत सेवा प्रदान की जा रही थी।